पत्रिका / कृ.म.वि.,पन्ना / 2026 / 03

मद्य निषेध संकल्प दिवस

(30 जनवरी 2026)

कृषि महाविद्यालय, पन्ना, मध्य प्रदेश

(जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र.–482004)

एक नई सुबह का आगाजः पन्ना में नशामुक्ति का संकल्प

''जो नशे का हुआ शिकार, उसने फूँक दिया घरवार''

30 जनवरी 2026 का दिन हमारे कृषि महाविद्यालय, पन्ना के इतिहास में एक नई चेतना लेकर आया। सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग पन्ना के सहयोग से श्रीराम शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण विकास समाजोत्थान समिति द्वारा आयोजित मद्य निषेध संकल्प दिवस ने हम छात्रों को एक नई दिशा दी है। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गूँज थी, उन युवाओं के संकल्प की, जो नशे की बेड़ियों को तोड़कर एक स्वस्थ समाज की रचना करना चाहते हैं।

इस अवसर पर आयोजित निबंध लेखन, चित्रकला, नाटक एवं वाद विवाद जैसी प्रतियोगिताओं के जरिए छात्रों ने समाज की कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। युवा कंधों पर राष्ट्र का भविष्य टिका है और जब ये हाथ नशे के विरुद्ध और उज्जवल कल के पक्ष में उठते हैं, तो बदलाव निश्चित है। यह मैगजीन हमारे उसी सामूहिक संकल्प और पन्ना के युवाओं की अजेय शक्ति को समर्पित है।

आइए, हम सब मिलकर इस मिशन को अपना जीवन मंत्र बनाएं कि.....

''नशा नहीं केवल प्रगति हमारा लक्ष्य है''

छात्रों का है यह नारा, नशामुक्त हो देश हमारा

प्रेरणा और मार्गदर्शन

किसी भी संस्थान की प्रगति उसके नेतृत्व की दूरदर्शिता और उसके शिक्षकों के समर्पण पर टिकी होती है। हमारे महाविद्यालय में आयोजित इस प्रथम मद्य निषेध संकल्प दिवस की सफलता के पीछे भी दो ऐसी ही विभूतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कुशल मार्गदर्शन

डॉ. पी.के. त्यागी

अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, पन्ना, म.प्र.–488001

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी. के. त्यागी का व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस कार्यक्रम की परिकल्पना से लेकर इसके सफल क्रियान्वयन तक, उनका मार्गदर्शन हर कदम पर हमारे साथ रहा। उनके कुशल नेतृत्व में ही महाविद्यालय ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर सामाजिक चेतना के इस कार्यक्रम को आयोजित किया। उनकी प्रेरणा ही थी कि छात्रों ने न केवल प्रतियोगिताओं में भाग लिया बल्कि अनुशासन और उच्च नैतिक मूल्यों का प्रदर्शन करते हुए संस्थान का मान बढ़ाया।

सफल संचालन

डॉ. द्वारका

कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस, रेड रिबन क्लब प्रभारी,
कृषि महाविद्यालय, पन्ना, म.प्र.–488001

कार्यक्रम की रूह उसका संचालन होता है, डॉ. द्वारका, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, अतिथि विद्वान, कीटशास्त्र विभाग, कृषि महाविद्यालय, पन्ना ने अपनी ओजस्वी वाणी और प्रभावी कार्यशैली से पूरे आयोजन में प्राण फूँक दिए। उनके मार्गदर्शन में चतुर्थ वर्ष के छात्रों से लेकर नवागत छात्रों तक, सभी एक सूत्र में बंधे नजर आए। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने से लेकर मंच पर हर गतिविधि को सुचारू रूप से संचालित करने तक डॉ. द्वारका का समर्पण सराहनीय रहा। उनकी सक्रियता ने ही मद्य निषेध संकल्प दिवस को मात्र एक आयोजन न रहकर एक जीवंत अनुभव बना दिया।

मंच के सूत्रधारः सुरों और शब्दों का संगम

इस गरिमामयी ''मद्य निषेध संकल्प दिवस'' का भव्य आयोजन छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना के विशाल सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की भव्यता को शब्दों में पिरोने और दर्शकों को अंत तक बांधे रखने का कठिन कार्य हमारे महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्रों ने बखूबी निभाया। सभागार में गूँजती तालियों और सुव्यवस्थित क्रम के पीछे इन चमकते सितारों की मेहनत और वाकपटुता थी इन सूत्रधारों ने न केवल मंच का संचालन किया, बल्कि अपनी प्रतिभा से यह साबित कर दिया कि हमारे महाविद्यालय के छात्र केवल कृषि के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि संवाद और कला के क्षेत्र में भी अव्वल हैं। इन्हीं की आवाज ने कार्यक्रम के संदेश ''नशामुक्ति'' को सभागार में मौजूद हर व्यक्ति के दिल तक पहुँचाया।

राज जैन एवं दिव्यांशिका त्यागी

अभिषेक कुशवाह एवं अंजली सोनी

कला के माध्यम से चेतनाः मंच बना नशामुक्ति का हथियार

इस कार्यक्रम का सबसे हृदयस्पर्शी और प्रभावशाली हिस्सा हमारे महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया ''नशा जीवन की बुरी दशा'' नाटक रहा जिसमें उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस नाटक का मुख्य उद्देश्य नशे की दलदल में फंसते युवाओं और उससे बिखरते परिवारों की मार्मिक स्थिति को जीवंत रूप में दर्शाना था। इस नाटक के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि यह इंसान के स्वाभिमान और सामाजिक सम्मान को भी खत्म कर देता है। मंच पर छात्रों के सजीव अभिनय और मर्मस्पर्शी संवादों ने सभागार में उपस्थित हर व्यक्ति को झकझोर कर रख दिया और उन्हें ''नशा मुक्ति'' के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। नाटक की प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली थी कि सभी दर्शकों ने खड़े होकर तालियों के साथ इसकी सराहना की और इसे कार्यक्रम का सबसे बेहतरीन संदेशवाहक बताया।

''तालियों की गूँज और प्रथम स्थान का गौरव''

नशे के विरुद्ध अपनी कला का जादू बिखेरने वाली हमारी नाटक मंडली, जिसने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया

अभिनय से ''नशामुक्ति'' का शंखनाद एक झलक

अभिनय से ''नशामुक्ति'' का शंखनाद एक झलक

अभिनय से "नशामुक्ति" का शंखनाद एक झलक

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

28 एवं 29 जनवरी 2026 को आयोजित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं में हमारे महाविद्यालय के छात्रों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया। ये प्रतियोगिताएं महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र, पन्ना में आयोजित की गई थी।

चित्रकला प्रतियोगिता (कृषि महाविद्यालय,पन्ना)

प्रथम स्थानः जितेन्द्र कुशवाहा

द्वितीय स्थानः शिवम पाण्डेय

तृतीय स्थानः सुमित गुर्जर

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

चित्रकला प्रतियोगिता (कृषि विज्ञान केंद्र,पन्ना)

प्रथम स्थानः वंदना भल्लावी

द्वितीय स्थानः पूनम ऊईके

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

चित्रकला प्रतियोगिता (कृषि विज्ञान केंद्र,पन्ना)

तृतीय स्थानः दिव्यांशिका त्यागी

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

निबंध लेखन प्रतियोगिता (कृषि महाविद्यालय, पन्ना)

प्रथम स्थानः खेतान सिंह

द्वितीय स्थानः विशाल

तृतीय स्थानः नरेन्द्र कुशवाहा

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

निबंध लेखन प्रतियोगिता (कृषि विज्ञान केंद्र, पन्ना)

प्रथम स्थानः अभिषेक कुशवाह

द्वितीय स्थानः प्रशांत शर्मा

तृतीय स्थानः राज जैन

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

वाद–विवाद प्रतियोगिता (कृषि महाविद्यालय, पन्ना)

प्रथमः शिवकुमार बघेल– पक्ष

प्रथमः अर्पिता शर्मा– विपक्ष

द्वितीयः कनिष्का सिंह– पक्ष

द्वितीयः शालिनी मिश्रा– विपक्ष

तृतीयः जितेंद्र कुशवाह– पक्ष

तृतीयः राज– विपक्ष

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

वाद–विवाद प्रतियोगिता (कृषि विज्ञान केंद्र, पन्ना)

प्रथम स्थानः प्रशांत शर्मा

द्वितीय स्थानः राज जैन

तृतीय स्थानः अभिषेक कुशवाह

प्रतिभा का प्रदर्शनः हमारे विजेता

भाषण प्रतियोगिता (कृषि महाविद्यालय, पन्ना)

प्रथम स्थानः मोहित कुशवाहा

द्वितीय स्थानः ऋषि परमार

तृतीय स्थानः राज

शपथः एक नशामुक्त भविष्य की

''हाथों में हाथ और दिल में संकल्प, नशामुक्त समाज ही एकमात्र विकल्प''

कार्यक्रम के सबसे गौरवशाली, भावनात्मक और अत्यंत प्रेरणादायक क्षण में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति मीना राजे परमार जी की गरिमामयी एवं प्रभावशाली उपस्थिति ने पूरे वातावरण को एक नई ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। उनका आगमन न केवल कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने वाला था, बल्कि उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन गया। जैसे ही उन्होंने मंच संभाला, उनके व्यक्तित्व की दृढ़ता, आत्मविश्वास और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

अपने ओजस्वी, प्रेरक एवं सारगर्भित संबोधन में उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसे समाज तथा विशेष रूप से युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया। उन्होंने अपने अनुभवों और उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र की प्रगति में बाधा उत्पन्न करता है। उनके शब्दों में इतनी शक्ति और सच्चाई थी कि सभागार में उपस्थित हर व्यक्ति भावुक और प्रेरित हो उठा।

उनके संबोधन के पश्चात कार्यक्रम का वह अत्यंत महत्वपूर्ण और यादगार क्षण आया, जब उन्होंने पूरे सभागार में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों को ''नशा मुक्ति की शपथ'' दिलाई। जैसे ही उन्होंने शपथ के शब्द उच्चारित किए, सैकड़ों हाथ एक साथ आकाश की ओर उठे और पूरे सभागार में एकजुटता, संकल्प और जागरूकता की अद्भुत झलक दिखाई दी। शपथ के प्रत्येक शब्द के साथ लोगों की आवाज में दृढ़ता और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता था।

उस समय का दृश्य अत्यंत भावुक, प्रेरणादायक और रोमांचकारी थाकृमानो पूरा सभागार एक नई चेतना से जाग उठा हो। नशामुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा की गूँज जब चारों ओर फैल रही थी, तो वह केवल एक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि एक सच्चे संकल्प का प्रतीक थी। यह क्षण न केवल उपस्थित लोगों के दिलों में हमेशा के लिए अंकित हो गया, बल्कि हमारे महाविद्यालय के लिए एक नई जिम्मेदारी, एक नई दिशा और एक नई शुरुआत का संकेत भी बन गया।

श्रीमति परमार जी ने अपने संबोधन में विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा शक्ति में अपार सामर्थ्य होती है। यदि युवा सही दिशा में अपने जीवन को आगे बढ़ाएं और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें, तो वे न केवल अपने जीवन को सफल बना सकते हैं, बल्कि पूरे जिले और देश की दिशा और दशा को भी बदल सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह शपथ केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे अपने जीवन में व्यवहारिक रूप से अपनाना हम सभी का कर्तव्य है।

उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और साथ ही अपने मित्रों, परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस प्रकार वे समाज में एक सकारात्मक

परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। उनके इन प्रेरक शब्दों ने छात्रों के मन में एक नई जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न की।

अंततः यह कहा जा सकता है कि यह पूरा क्षण कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और आत्मा को छू लेने वाला हिस्सा था, जिसने न केवल सभी को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया, बल्कि एक सामूहिक संकल्प के रूप में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा भी प्रदान की। यह शपथ और यह प्रेरणा आने वाले समय में निश्चित रूप से एक सशक्त नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

''प्रतिज्ञाबद्ध युवा शक्ति''

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति मीना राजे परमार जी द्वारा छात्रों को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए एक ऐतिहासिक पल।

यह चित्र केवल एक साधारण उपस्थिति का दृश्य नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के उज्ज्वल भविष्य की एक सजीव, प्रेरणादायक और अर्थपूर्ण झांकी प्रस्तुत करता है। इसमें न केवल लोगों की शारीरिक उपस्थिति दिखाई देती है, बल्कि उनके भीतर छिपी जागरूकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच का भी स्पष्ट प्रतिबिंब देखने को मिलता है। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि जब समाज के विभिन्न वर्ग, छात्र, शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य नागरिक, एक साथ किसी सार्थक उद्देश्य के लिए एकत्रित होते हैं, तो वह केवल एक कार्यक्रम नहीं रहता, बल्कि एक आंदोलन का रूप ले लेता है।

इस चित्र में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर एक संकल्प, एक जागरूकता और एक नई दिशा को लेकर खड़ा प्रतीत होता है। विशेष रूप से युवाओं के चेहरों पर दिखाई देने वाला आत्मविश्वास, उत्साह और दृढ़ निश्चय इस बात का संकेत देता है कि वे केवल दर्शक नहीं हैं, बल्कि भविष्य के वे जिम्मेदार नागरिक हैं, जो समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। यह दृश्य हमें यह भी सिखाता है कि सही मार्गदर्शन, प्रेरणा और अवसर मिलने पर युवा शक्ति किसी भी सकारात्मक परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

यह झांकी केवल वर्तमान का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि आने वाले कल की नींव भी है। इसमें वह शक्ति निहित है, जो समाज को नशामुक्त, जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकती है। इस प्रकार, यह चित्र एक संदेश देता है कि यदि हम सभी मिलकर एकजुटता, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें, तो हम एक बेहतर, सुरक्षित और समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं।

सभागार का यह दृश्य उस एकाग्रता और गंभीरता को दर्शाता है, जिसके साथ हमारे छात्रों ने नशामुक्ति के इस वैचारिक महाकुंभ को आत्मसात किया । कार्यक्रम के दौरान डॉ. द्वारका प्रसाद अठया, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व रेड रिबन क्लब प्रभारी, अतिथि विद्वान, कीटशास्त्र विभाग, कृषि महाविद्यालय, पन्ना स्वयं छात्रों के बीच उपस्थित रहे, जो उनके अपनत्व और शिक्षण के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है।

सृजनकर्ता टीम

''विचारों को पन्नों पर उतारना एक कला है,

और यादों को सहेजना एक जिम्मेदारी''

इस पत्रिका का निर्माण केवल सूचनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि उन अनमोल पलों को जीवंत रखने का एक प्रयास है जो हमने ''मद्य निषेध संकल्प दिवस'' के दौरान जिए। इस पत्रिका के संपादन, डिजाइन और संकल्पना को पूर्णता प्रदान करने में निम्न टीम का विशेष योगदान रहा है.....

डॉ. द्वारका
(पत्रिका डिजायन)
कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस, रेड रिबन क्लब प्रभारी,
कृषि महाविद्यालय, पन्ना, म.प्र.–488001

राज जैन
बीएस.सी., (ऑनर्स)
कृषि, चतुर्थ वर्ष

अभिषेक भार्गव
बीएस.सी., (ऑनर्स)
कृषि, चतुर्थ वर्ष

अभिषेक कुशवाह
बीएस.सी., (ऑनर्स)
कृषि, चतुर्थ वर्ष

पूनम उइके
बीएस.सी., (ऑनर्स)
कृषि, चतुर्थ वर्ष

वन्दना भल्लावी
बीएस.सी., (ऑनर्स)
कृषि, चतुर्थ वर्ष